UGC NET JRF... Paper =2 Sanskrit

Filler Form

YouTube

UNIT=2

Class-8

By=NIDHU CHAUDHARY

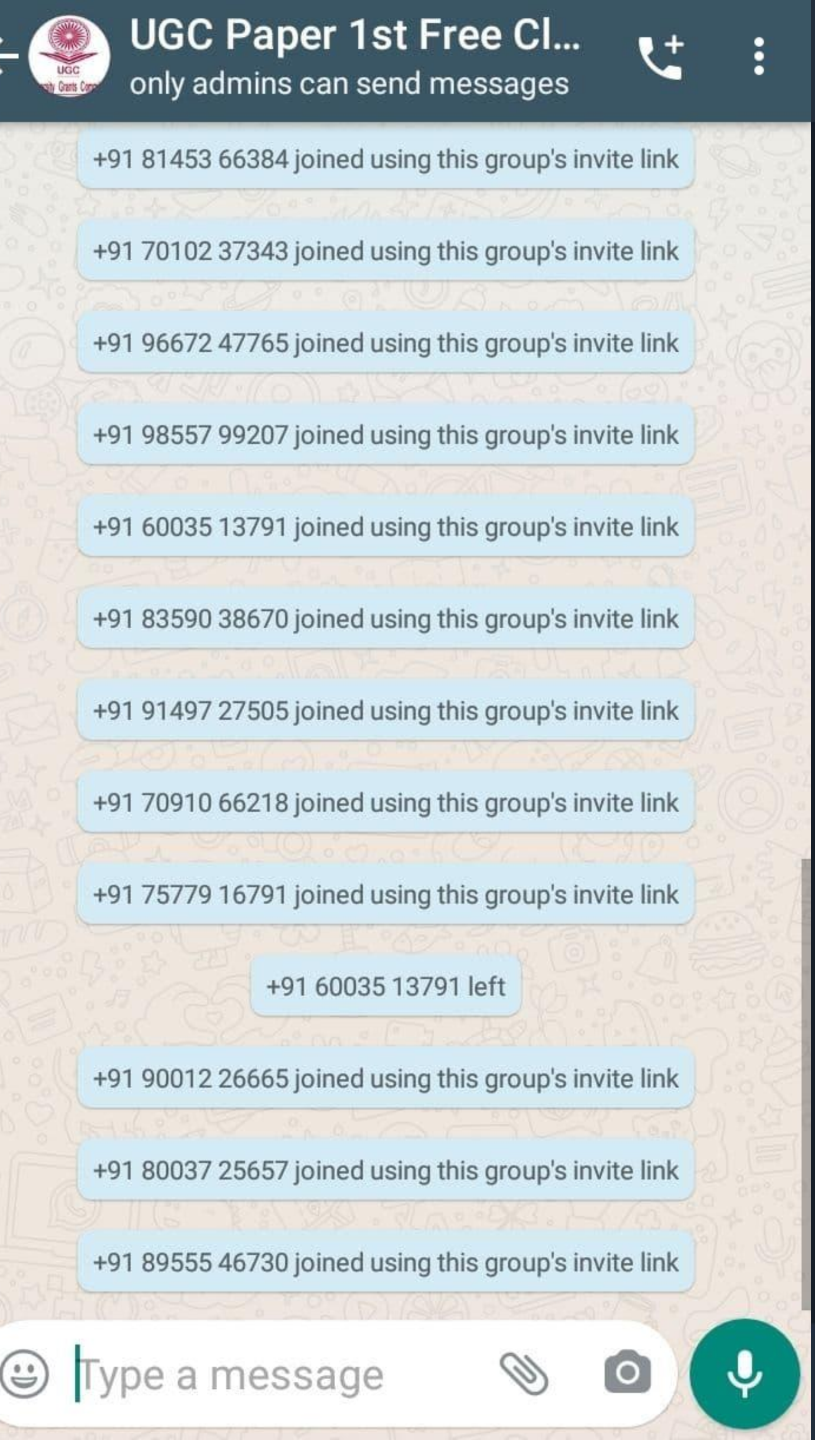
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 81453 66384 joined using this group's invite link
+91 70102 37343 joined using this group's invite link
+91 96672 47765 joined using this group's invite link
+91 98557 99207 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 joined using this group's invite link
+91 83590 38670 joined using this group's invite link
+91 91497 27505 joined using this group's invite link
+91 70910 66218 joined using this group's invite link
+91 75779 16791 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 left
+91 90012 26665 joined using this group's invite link
+91 80037 25657 joined using this group's invite link
+91 89555 46730 joined using this group's invite link
Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers
December 28
Channel created
Channel photo changed
UGC
Broadcast

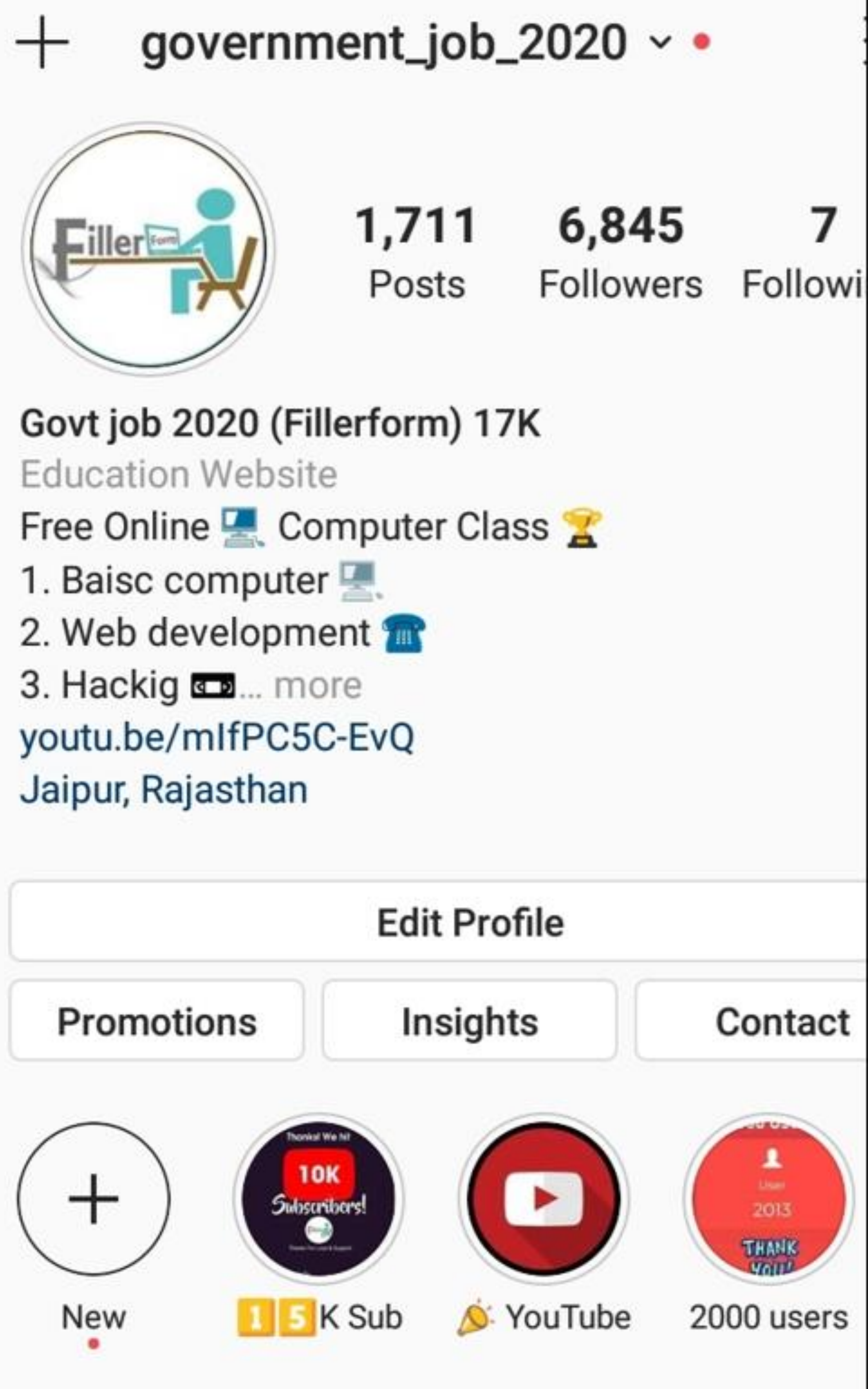
government_job_2020
1,711
Posts
6,845
Followers
7
Followi
Govt job 2020 (Fillerform) 17K
Education Website
Free Online 💻 Computer Class 🏆
1. Baisc computer 💻
2. Web development ☎
3. Hackig 📼... more
youtu.be/mIfPC5C-EvQ
Jaipur, Rajasthan
Edit Profile
Promotions
Insights
Contact
New
15K Sub
YouTube
2000 users

Filler Form
LATEST UPLOADS
UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude
"Level of Teaching"
11:00 AM Level Of Teaching | Teaching
11:00 AM Level Of Teaching | Teaching Aptitude By Jitendra Goswami | NET
LEARNING MATERIAL
Quizzes
Notes
Sample Papers
UGC NET 100%
Off Free Class
Free Notes
Live Class
100% OFF
5000+MCQ+PYQ
Free Books
fillerform

STUDENTS FEEDBACK

B
Babali Mishra • 19h ago
Namste mam

B
Babali Mishra • 19h ago
Mam apki class ko kaise join kre

8209837844

Unit_2 वैदिक साहित्य का विशिष्ट अध्ययन

- = ऋग्वेद : एक परिचय
- = ऋग्वेद - संहिता सूक्त
- = शुक्लयजुवेद -संहिता सूक्त
- = अथर्ववेद -संहिता सूक्त
- = बाह्मण- साहित्य विधि एवं उनके प्रकार
- = उपनिषद् - साहित्य वैदिक व्याकरण,
- = निरूक्त एवं वैदिक व्याख्या- पद्धति

8209837844

ऋग्वेद - संहिता सूक्त

www.ugc-net.com

अग्नि सूक्त (ऋग्वेद १/१)

अग्नि सूक्त ऋग्वेद के प्रथम मण्डल का प्रथम सूक्त है।

इसके ऋषि मधुच्छन्दा वैश्वामित्र है।

यह विश्वामित्र के पुत्र हैं। इसके देवता अग्नि हैं।

इसका छन्द गायत्री-छन्द है।

इस सूक्त का स्वर षड्जकृ है।

गायत्री-छन्द में आठ-आठ अक्षरों के तीन पाद (चरण) होते हैं।

8209837844 www.ugc-net.com

इस प्रकार यह छन्द चौबीस अक्षरों (स्वरों) का है।

इसमें कुल नौ मन्त्र है।

सँख्या की दृष्टि से इन्द्र (२५०१श्लोक) के बाद अग्नि (२००१श्लोक) का ही स्थान है, किन्तु महत्ता की दृष्टि से अग्नि का सर्वप्रमुख स्थान है।

स्वतन्त्र रूप से अग्नि का २००सूक्तों में स्तवन किया गया है।

सामूहिक रूप से अग्नि का २४८३सूक्तों में स्तवन किया गया है।

अग्नि पृथ्वी स्थानीय देवता है। इनका पृथ्वी लोक में प्रमुख स्थान है।

वरुणसूक्त (ऋग्वेद १/२५)

वरुणसूक्त ऋषि — शुनःशेप, आजीगर्ति एवं वशिष्ठ,

निवास स्थान —- द्‍युस्थानीय,

कुल मंत्र =२१

ऋग्वेद संहिता, प्रथम मंडल सूक्त 25 ऋग्वेदके प्रथम मण्डल का पचीसवाँ सूक्त वरुणसूक्त कहलाता है ।

इस सूक्त में शुनःशे पके द्‍वारा वरुणदेवता की स्तुति की गयी है ।

शुनःशेप की कथा वेदों, ब्राह्मणग्रन्थों तथा पुराणों में विस्तार से आयी है ।

कथासार यह है कि इक्ष्वाकुवंशी राजा हरिश्चन्द्र के कोई सन्तान नहीं थी ।

उनके गुरु वसिष्ठजी ने बताया कि तुम वरुणदेवता की उपासना करो; राजा ने वैसा ही किया ।

वरुणदेव प्रसन्न हुए और बोले — राजन् ! तुम यदि अपने पुत्र को मुझे समर्पित करने की प्रतिज्ञा करो तो तुम्हें पुत्र अवश्य होगा ।

सूयँ सूक्त (ऋग्वेद १/१२५)

ऋषि = कक्षीवान् दैर्धतमस (औशिज)

देवता = स्वनय दानस्तुति

छंद = त्रिष्टुप, ४-५ जगति

मंत्र = ७

इस सूक्तके देवता सूर्य संपूर्ण विश्वके प्रकाशक ज्योतिर्मय नेत्र हैं, जगत्की आत्मा हैं और प्राणिमात्रको सत्कर्मोंमें प्रेरित करनेवाले देव हैं,

देवमण्डलमें इनका अन्यतम एवं विशिष्ट स्थान इसलिये भी है, क्योंकि ये जीवमात्रके लिये प्रत्यक्षगोचर हैं ।

ये सभीके लिये आरोग्य प्रदान करनेवाले एवं सर्वविध कल्याण करनेवाले हैं, अतः समस्त प्राणिधारियोंके लिये स्तवनीत हैं, वन्दनीय हैं ।

8209837844 www.ugc-net.com

इन्द्र- सूक्त (ऋग्वेद -२/१२)

ऋषि =गृत्समद (आङ्गिरस शौनहोत्र,

ऋग्वेद पश्चात् भार्गव शौनक।

देवता = इन्द्र

छंद = त्रिष्टुप

मंत्र = १५

उषस् - सूक्त (ऋग्वेद ३-६१)

ऋषि =विश्वामित्र गाथिन

दैवता = उषा

छंद = त्रिष्टुप

मंत्र = ७

पर्जॅन्य - सूक्त (ऋग्वेद -५/८३)

वेदों के अनुसार परजन्या (संस्कृत: परजन्य परजन्या) बारिश , गरज , बिजली और पृथ्वी को उर्वरित करने वाले देवता हैं।

8209837844 www.ugc-net.com

अक्ष - सुक्त (ऋग्वेद - १०/३४)

ऋषि = कवष ऐलूष अथवा अक्ष मौजवान् ।

देवता =१,७,९,१२=अक्ष-समूह,

=२-६,८,१०,११,१४= अक्ष-कितव

छंद =त्रिष्टुप, जगती

मंत्र = १४

8209837844

www.ugc-net.com

ज्ञान – सूक्त (ऋग्वेद -१०/७१)

ऋषि = बृहस्पति आङ्गिरस

देवता = ज्ञान

छंद = त्रिष्टुप, ९- जगती

मंत्र = ११

8209837844

www.ugc-net.com

पुरुष - सूक्त (ऋग्वेद- १०/९०)

ऋषि = नारायण।

देवता = पुरुष

छंद = अनुष्टुप १६-विष्टुप

मंत्र = १६

हिरण्यगर्भ – सूक्त (ऋग्वेद १०/१२१)

ऋषि = हिरण्यगर्भ प्राजापत्य

देवता = कः (प्रजापति)

छंद = त्रिष्टुप

मंत्र = १०

8209837844
www.ugc-net.com

✸ वाक् - सूक्त (ऋग्वेद -१०/१२५)

ऋषि = वागाम्भृणी

देवता = वागाम्भृणी (आत्मस्तुति)

छंद = त्रिष्टुप, २- जगति

मंत्र = ८

8209837844
www.ugc-net.com

नासदीय - सूक्त (ऋग्वेद -१०/१२९)

ऋषि = प्रजापति परमेष्ठी

देवता = भाववृत

छंद = त्रिष्टुप

मंत्र = १७

Next class.....

- शुक्लयजुवेद
- यजुर्वेद : एक परिचय
- 'यजुर्वेद ' की परंपरा एवं शाखाएँ
- कृष्णयजुर्वेद की शाखाएँ
- एवं संवाद संहिता...

8209837844
www.ugc-net.com

We want JRF

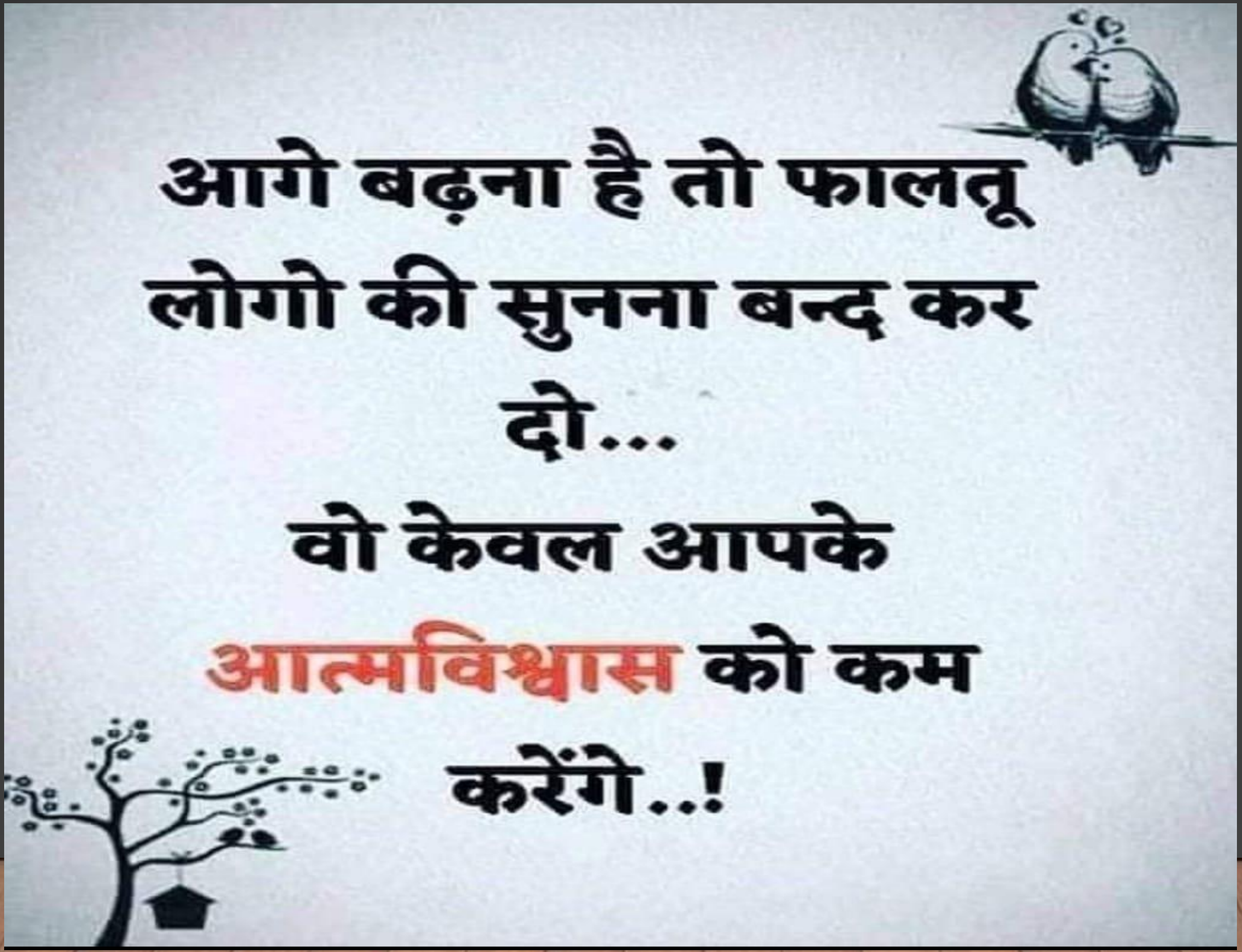

FEEDBACK

💥 आपको ये क्लास कैसा लगा ??

📝Comment box में अपना comment कर के Next Class में आपका solution पाए 🗐 📝

For More Information

www.ugc-net.com

/Fillerform /Fillerform /Fillerform

info@fillerform.com

8209837844

THANK YOU